बांस से संबंधित मूलभूत जानकारी एवं परिभाषाऐं

बांस कूपों में बांस भिर्रो की संवर्धन एवं कटाई के कार्य में प्रयोग किये जाने वाली मूलभूत परिभाषाओं को एकरूपता देने के लिए तथा क्षेत्रीय अमले की सुविधा के लिए निम्नानुसार संकलित किया गया है।

1.1 बांस की आयु के आधार पर वर्गीकरणः–

1 करला : एक वर्ष तक की आयु के नये बांस।

2. महिला : एक से दो वर्ष आयु के बांस।

3. पकिया : दो वर्ष से अधिक अर्थात 3 वर्ष एवं अधिक आयु के बांस।

1.2 स्थल की गुणवत्ता के आधार पर वर्गीकरणः–

1. प्रथम वर्ग : भिर्रे में बांस की औसत ऊंचाई 9 मीटर से अधिक।
2. द्वितीय वर्ग : भिर्रे में बांस की औसत ऊंचाई 6 से 9 मीटर।
3. तृतीय वर्ग : भिर्रे में बांस की औसत ऊंचाई 6 मीटर तक।

(यह ऊंचाई भिर्रे के भू सतह से नापी जायेगी)

1.3 बांस के घनत्व का वर्गीकरणः–

1. बिरला बांस वन : 30 से 50 भिर्रा प्रति हेक्टर।
2. मध्यम बांस वन : 50 से 100 भिर्रा प्रति हेक्टर।
3. सघन बांस वन : 100 भिर्रा प्रति हेक्टर से अधिक।

1.4 भिर्रो का विकास एवं गुंथेपन पर आधारित वर्गीकरणः–

1. सामान्य एवं स्वस्थ भिर्रे– इसमे वे भिर्रे सम्मिलित होगे जिसमें बांस कटाई नियमों के अनुरूप बिना किसी विशेष कठिनाई के कटाई की जा सकती है। इन भिर्रो में गुंथे हुए बांसो की संख्या कुल बांसों की संख्या का 33 प्रतिशत या एक तिहाई से कम होगी एवं भिर्रे में सवस्थ एवं पूर्ण बांसों की संख्या 10 से अधिक होगी।
2. कम गुंथे हुए भिर्रे– 34 से 67 प्रतिशत (एक तिहाई से दो तिहाई) बांस आपस में गुंथे हुए हो।
3. अधिक गुंथे हुए भिर्रे–जिनमें 67 प्रतिशत (दो तिहाई) से अधिक बांस गुंथे हुए हों तथा भिर्रे के आर पार देखा जाना संभव न हो।
4. बिगड़े/क्षतिग्रस्त भिर्रे– भिर्रे जिसमें बांस ठूठों की संख्या कुल बांस की संख्या से 50 प्रतिशत से अधिक हो अथवा भिर्रे में स्वस्थ एवं पूर्ण बांस की कुल संख्या 10 से कम हो।

1.5 बांस नाल (clum) का उपयोगिता के आधार पर वर्गीकरणः–

1. व्यापारिक बांसः– जिसमें निम्नानुसार लम्बाई के बांस शामिल होंगेः–

7.30 मी., 6.40मी., 4.60 मी., 3.70 मी., 3.10 मी., 2.50 मी., 2.25 मी.

(व्यापारिक बांस के मोटे सिरे पर 10 से 15 से.मी. तथा पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होना चाहिए)।

व्यापारिक बांस के विदोहन में बांस को उक्त लम्बाईयों को ध्यान को ध्यान में रखकर विदोहन किया गया जाना चाहिए, जिसकी स्थानीय निस्तार में आवश्यकता है एवं बाजार में भी सरलता से निर्वर्तित हो जाए।

2. औद्योगिक बांस के पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 4 से.मी. होनी चाहिए)

1.6 **बांस के स्वास्थ एवं स्थिति के आधार पर वर्गीकरण :–**

1. पूर्ण एवं स्वस्थ बांस–जिसकी लंबाई 2.25 मी. से अधिक हो। इसे प्राथमिकता के तौर पर व्यापारिक बांस में परिवर्तित किया जाना है तथा बचे हुए 25 से 30 प्रतिशत भाग से औद्योगिक बांस उपलब्धता के आधार पर बनाया जाना है। व्यापारिक बांस के पहले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होनी चाहिए।

2. सूखा बांस– लंबाई कुछ भी हो सकती है, लेकिन पूर्णतः सूखा हो। इसे 2 मी. के औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाना है।

3. ठूंठ बांस– लंबाई कुछ भी हो सकती है। इसे भी 2 मी. तथा 1 मी. के औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाना है।

1.7 **बांस के उपयोगिता के अनुरूप परिवर्तन के नियमः–**

1. पूर्ण स्वस्थ एवं हरे बांस–इससे 2.25 मीटर से लेकर 7.30 मीटर तक के व्यापारिक बांस निर्वर्तन जायेंगे बचे भाग से 2 एवं 1 मीटर के औद्योगिक बांस निकाले जायेंगे। व्यापारिक बांस के पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 6 से.मी. होनी चाहिए।
2. सूखा बांस– इसे पूर्ण तौर पर 2 एवं 1 मीटर के औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जायेगा। औद्योगिक बांस में पतले सिरे पर न्यूनतम गोलाई 4 से.मी. होनी चाहिए।
3. ठूंठ बांस– लंबाई के अनुरूप औद्योगिक बांस में परिवर्तित किया जाएगा।

1.8 बांस/कूपों का समान्य/स्वस्थ भिर्रो के आधार पर वर्गीकरणः–

बांस कूपों को भिर्रो की अनुमानित संख्या के आधार पर दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा।

1. सामान्य बांस कूप– ऐसे बांस कूप जिसमें सामान्य/स्वस्थ भिर्रो की संख्या कुल भिर्रो की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो।
2. बिगड़ा बांस कूप– ऐसे बांस कूप जिसमें सामान्य/स्वस्थ भिर्रो की संख्या कुल भिर्रो की संख्या 50 प्रतिशत से अधिक हो।

1.9 बांस का एक नोशनल टनः– 2400 रनिंग मीटर

1.10 एक भिर्रे में रोके जाने वाले बांस की न्यूनतम संख्याः–

1. प्रथम वर्ग – 20 बांस
2. द्वितीय वर्ग – 15 बांस
3. तृतीय वर्ग – 10 बांस

(स्थल गुणवत्ता के आधार पर, यदि रोके जाने वाल महिला एवं पकिया कमा होता तो न्यूनतम संख्या पूरी करने के लिए हरे ठूंठों को भी सम्मिलित किया जाएगा)